भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2657

उत्तर देने की तारीख-09/03/2026

पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले विद्यार्थियों से संबंधित यूडीआईएसई रिपोर्ट

2657. **एडवोकेट चन्द्र शेखर:**

श्री हनुमान बेनीवाल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मंत्रालय की यूडीआईएसई की रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2022-23 से अब तक देश में पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले लड़कों और लड़कियों की संख्या का वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने निःशुल्क शिक्षा और शिक्षा के अधिकार के प्रावधानों के बावजूद विद्यार्थियों द्वारा पढ़ाई बीच में छोड़ने के कारणों का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) गत पांच वर्षों के दौरान स्कूल में नामांकन बढ़ाने और पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर को कम करने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों और खर्च किए गए बजट का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख): यूडाइज़+ (शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस) के अनुसार, वर्ष 2022-23 से वर्ष 2024-25 तक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार और जेंडरवार ड्रॉपआउट दर https://www.education.gov.in/en/parl_ques पर उपलब्ध है। राष्ट्रीय स्तर पर सभी शैक्षणिक स्तरों पर पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर में कमी आई है।

(ग): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए जारी 'आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफ़एस)' नामक रिपोर्ट के अनुसार, कभी स्कूल नहीं जाने वाले छात्रों के प्रमुख कारण घरेलू आय को बढ़ाना, घरेलू कामों में भाग लेना, शिक्षा को आवश्यक नहीं समझा जाना आदि हैं।

(घ): परियोजना अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित केंद्रीय हिस्से का राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण और वर्ष 2020-21 से वर्ष 2024-25 के लिए समग्र शिक्षा के तहत जारी केंद्रीय हिस्से का विवरण https://www.education.gov.in/en/parl_ques पर उपलब्ध है।

******